# ❋ 2 जुलाई 2014 की मुरली से मुख्य पॉईन्टस् ❋

## ❋ ज्ञान-

1] अभी तुम बच्चों को समझ पड्ती जाती है कि आधाकल्प है सुख, आधाकल्प है दु:ख। बहुत दु:ख देख कर ही मनुष्य कहते हैं– इससे तो मोक्ष पा लें। जब तुम सुख में, शान्ति में होंगे, वहाँ थोड़ेही ऐसे कहेंगे। यह सारी नॉलेज अभी तुम्हारी बुद्धि में है। जैसे बाप बीज होने कारण उसके पास सारे झाड़ की नॉलेज है। झाड़ का मॉडल रूप दिखाया है। बड़ा थोड़ेही दिखा सकते। बुद्धि में सारी नॉलेज आ जाती है।

2] यह कितना बड़ा ह्यूज़ ड्रामा है। यह सारा ड्रामा तो कभी कोई देख भी न सके। इम्पॉसिबुल है। दिव्य दृष्टि से तो अच्छी चीज़ देखी जाती है। गणेश, हनूमान यह सब हैं भक्ति मार्ग के। परन्तु मनुष्यों की भावना बैठी हुई है तो छोड़ नहीं सकते।

3] बाप कहते है मांगने से कुछ भी नहीं मिलेगा। हमने तो रास्ता बता दिया है। मैं आता ही हूँ रास्ता बताने। सारा झाड़ तुम्हारी बुद्धि में है।

4] स्वर्ग में जाने वाले विकार में थोड़ेही जायेंगे। भक्त लोग इतना विकार में नहीं जाते। सन्यासी भी ऐसे नहीं कहेंगे पवित्र बनो क्योंकि खुद ही शादियां कराते हैं। वे गृहस्थियों को कहेंगे– मास-मास में विकार में जाओ। ब्रह्मचारियों को ऐसे नहीं कहेंगे कि तुम्हें शादी नहीं करना है। तुम्हारे पास गन्धर्वी विवाह करते हैं फिर भी दूसरे दिन खेल खलास कर देते। माया बहुत कशिश करती है। तो भी पवित्र बनने का पुरूषार्थ इस समय ही होता है, फिर है प्रालब्ध।

5] क्रिमिनल रावण बनाता है। सिविल शिवबाबा बनाते हैं। यह भी याद करना है।

6] अनुभवी आत्मा कभी भी किसी बात से धोखा नहीं खा सकती, वह सदा विजयी रहती है।

## ❋ योग-

1] मीठे बच्चे– तुम्हें टाइम पर अपने घर वापर जाना है इसलिए याद की रफ्तार को बढ़ाओ, इस दु:खधाम को भूल शान्तिधाम और सुखधाम को याद करो।

2] जो निरन्तर याद करते हैं वही ऊंच पद पायेंगे, उसके लिए बाबा युक्तियां बतलाते रहते हैं। याद की रफ्तार बढ़ाओ।

3] तो बाप को याद करेंगे तब तो स्वर्ग में जायेंगे ना। यह तो समझते हो हम पतित हैं, याद से ही पावन बनेंगे और कोई उपाय नहीं। स्वर्ग है पावन दुनिया, स्वर्ग का मालिक बनना है तो पावन जरूर बनना है। स्वर्ग में जाने वाले फिर नर्क में गोते कैसे खायेंगे इसलिए कहा जाता है **मनमनाभव**। बेहद के बाप को याद करो तो अन्त मती सो गति होगी।

## ❋ धारणा-

1] अब तुम बच्चों को पुरूषार्थ करना है, कल्प पहले मिसल पद पाने के लिए पढ़ना है।

2] पुरूषार्थ करते रहते हैं, करते रहेंगे। ड्रामा में नूँध है। ऐसे तो ढेर हो जायेंगे। गली-गली घर-घर में यह स्कूल होगा। है सिर्फ धारणा करने की बात।

## ❋ सेवा-

1] उन्हें गुह्य राज़ सुनाओ कि आत्मा इतनी छोटी आत्मा बिन्दी है, उसमें फार एवर पार्ट भरा हुआ है, जो पार्ट बजाती ही रहती है। कभी थकती नहीं। मोक्ष किसी को मिल नहीं सकता। मनुष्य बहुत दु:ख देखकर कहते हैं मोक्ष मिले तो अच्छा है, लेकिन अविनाशी आत्मा पार्ट बजाने के बिना रह नहीं सकती। इस बात को सुनकर उनके अन्दर हलचल मच जायेगी।

2] जो खुद जानते हैं वह औरों को भी समझाने लग पड़ेंगे। कल्प पहले भी यही किया होगा। ऐसे ही म्यूजियम बनाकर कल्प पहले भी बच्चों को सिखाया होगा।

3] इस दुनिया में कितने प्रकार के दु:ख हैं। ढेर दु:ख की बातें तुम लिख सकते हो। जब तुम यह सिद्ध कर बतायेंगे तो समझेंगे कि यह बात तो बिल्कुल ठीक है। यह अपार दु:ख तो सिवाए एक बाप के और कोई दूर कर नहीं सकते। दु:खों की लिस्ट होगी तो कुछ न कुछ बुद्धि में बैठेगा।